राष्ट्रीय जीन बैंक स्थापित किया जाना

4436. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हाल ही में गुजरात सहित राज्यों में राष्ट्रीय जीन बैंक स्थापित किये गये थे।

(ख) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है और इन बैंकों के मुख्य उद्देश्य क्या है;

(ग) इन जीन बैंकों की स्थापना हेतु कितनी धनराशि खर्च की गई है; और

(घ) इन बैंकों के कब तक कार्य आरम्भ कर देने की संभावना है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) राष्ट्रीय जीन बैंक नई दिल्ली में स्थापित किया गया है। लेकिन मध्यम अवधि के बीज भण्डारण मोडल्स गुजरात सहित अनेक राज्यों में स्थित विभिन्न संस्थानों को दिए गए हैं।

(ख) जीन बैंक की स्थापना का मूल उद्देश्य आनुवंशिक विविधता का संरक्षण और इसे फसल सुधार के लिए उपलब्ध कराना है।

साझा इंडो-यू.एस.ए.आई.डी.पी.जी.आर.प्रोजेक्ट के तहत राष्ट्रीय पौध आनुवंशिक संसाधन मुख्यालय नई दिल्ली में राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना की गई है। जीन बैंक में 12 दीर्घकालीन भण्डारण मोडूल्स (- 20.सै.) और मध्यम अवधि तक भण्डारण का मोडूल्स (+4.सै.) है। इसके अलावा ॥ मध्यम अवधि के भण्डारण मोडूल्स विभिन्न संस्थाओं/कृषि विश्वविद्यालयों को भा.कु.अ.प. पद्धति के तहत दिए गए हैं। ये संस्थान गुजरात,मेघालय, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश(3),महाराष्ट्र, हरियाणा,कर्नाटक, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में हैं। इसमें एक कोया बैंक (तरल और नाइट्रोजन में .196.सै. पर भंडारण) और टिशू कल्चर भंडारण (10.सै. से 25.सै.) भी है।

(ग) अब तक एन.बी.पी.जी.आर काम्पलैक्स के निर्माण पर 17.84 करोड़ रु. का व्यय हुआ है। (50% का भुगतान यू.एस.ए.आई.डी. द्वारा किया गया)। जीन बैंक के लिए प्रयोगशाला के औजार और दूसरे उपस्कर खरीदने के लिए 5 मिलियन अमेरिकी डालर खर्च हुए हैं। यू.एस.ए.आई.डी. के योगदान से 4.5 मिलियन अमेरिकी डालर की विदेशी मुद्रा और 0.5 मिलियन की स्थानीय मुद्रा प्राप्त हुई है। पूरी प्रयोजना को 27.95 मिलियन अमेरिकी डालर के कुल व्यय से कार्यान्वित किया जा रहा है।

(घ) जर्मप्लाज्म भण्डारण और संरक्षण वर्ष 1997 की दूसरी तिमाही में कार्य करना शुरू करेगा और 13 मोडूल्स को नियोजित तरीके से भरा जाएगा। इस समय जीन बैंक की उसके कारगर ढ़ंग से कार्य करने के लिए जांच की जा रही है।

गुजरात में तिलहनों की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का विस्तार

4437. **श्री चीमन भाई हरी भाई शुक्ला :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार गुजरात में तिलहनों की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को बढ़ाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कदम उठाए गये हैं;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निर्धारित किये गये लक्ष्यों और प्राप्त लक्ष्यो का ब्योरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने राज्य में खाद्य तेलों की गुण्वत्ता में वृदिध करने और उसे बुनियादी सहायता उपलब्ध कराने संबंधी राज्य सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरता पूर्वक विचार किया है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) और (ख) जी हां। तिलहनों के उत्पादन संबंधी नीति में क्रमिक फसलन, अन्तः-फसलन, आर्थिक दृष्टि से कम लाभ देने वाली फसलों के स्थान पर दूसरी फसलें लगाने और विभिन्न तिलहन फसलों के अन्तर्गत समस्या वाले क्षेत्रों/ परिस्थितियों में प्रतिस्थापन फसलों के माध्यम से क्षेत्र में विस्तार के कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है। उच्चतर क्षेत्र की कवरेज को प्रोत्साहित करने के लिए गुजरात राज्य में एक केन्द्रीय प्रायोजित तिलहन उत्पादन कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है।

(ग) क्षेत्र की दृष्टि से लक्ष्यों का निर्धारण नहीं किया जाता। तथापि, आठवीं पंच वर्षीय योजना के